बहिार का जहानाबाद 100% डजिटिल बैंकगि वाला पहला ज़लिा बना

चर्चा में क्यों?

11 अक्टूबर, 2022 को भारतीय रज़िर्व बैंक और केंद्रीय वत्ति मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से बहिार का जहानाबाद ज़लिा पहला 100 फीसदी डजिटिल बैंकगि वाला ज़लिा बन गया है।

प्रमुख बदिु

- राज्य में लोगों को घर-बैठे बैंकगि सुवधिा का लाभ देने के लयि डजिटिल बैंकगि को बढ़ावा दयिा जा रहा है, ताकि हर ज़लिा, हर कस्बा और हर पंचायत डजिटिल हो सक। इस दशिा में भारतीय रज़िर्व बैंक और केंद्रीय वत्ति मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में बहिार के तीन ज़लिों में डजिटिल बैंकगि को लेकर अभयिान चलाए जा रहे हैं।
- डजिटिल बैंकगि के इस अभयिान के प्रतफिल के रूप में जहानाबाद ज़लिा पहला 100 फीसदी डजिटिल बैंकगि वाला ज़लिा बन गया है और जल्द ही अरवल तथा शेखपुरा शत-प्रतशित डजिटिल बैंकगि वाले ज़लिा बनने वाले हैं।
- जहानाबाद ज़लि में कुल 1035126 सक्रयि खाताधारकों में से 1031235 के पास कम-से-कम एक डजिटिल बैंकगि उत्पाद, यानी इंटरनेट बैंकगि, डेबटि कार्ड, मोबाइल बैंकगि, यूपीआइ और दूसरी इसी तरह की सुवधिाएँ हैं। यह कुल सक्रयि खाता का 65 फीसदी है। करेंट खाता में करीब 17944 खाता हैं, जनिमें 11887 खाताधारक इंटरनेट बैंकगि, 4452 पोओएस या क्यूआर कोड और 8450 मोबाइल बैंकगि सेवा का उपयोग करते हैं।
- अरवल में 609662 बैंक खाते हैं, जनिमें से 552221 सक्रयि बैंक खाते हैं। इसका लगभग 58% डजिटिल उत्पाद से जुड़े हुए हैं, जबकि शेखपुरा में अभी तक 89.18% खाते डजिटिल उत्पाद से जुड़े हैं।
- वत्तिीय लेन-देन में डजिटिल पेमेंट ससि्टम की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कैश ढोने की ज़रूरत नहीं होती है। कार्ड से पेट्रोल खरीदने से लेकर, रेल टकिट, हाइवे पर टोल और बीमा खरीदने जैसी कई तरह की छूट भी मलिती हैं।
- उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार और रज़िर्व बैंक ने वर्ष 2019 में देश के प्रत्येक राज्य में कम-से-कम एक ज़लिा को सौ फीसदी डजिटिल बैंकगि सेवा वाला ज़लिा बनाने का नरि्णय लयिा था।
- इसी के तहत बहिार में जहानाबाद ज़लिा का चयन कयिा गया और राज्यस्तरीय बैंकर्स समति ने सभी हसि्सेदार (स्टेकहोल्डर) के साथ रणनीति बनाकर काम कयिा और जहानाबाद डजिटिल बैंकगि वाला ज़लिा घोषति कयिा गया है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bihar-jehanabad-becomes-first-district-with-100-digital-banking